पिताश्री 22/8/61

ओम् शान्ति। बाप बच्चों को धैर्य देते हैं और समझाते हैं, देखो तुम्हारी अब तकदीर की रात है और तुम्हारी तकदीर का सूर्य अब खुल रहा है। तकदीर के रात को अंधेरा कहा जाता है। अब ज्ञान सूर्य तकदीर खोल रहा है। धैर्य देते हैं कि अगर तुमने पुरुषार्थ कर माया पर जीत पहनी तो फिर सदा सुखी बनेंगे। हम बच्चे ही माया से हराते हैं। .... सूक्ष्मवतन वासी ब्र॰वि॰शं॰ हराते वा जीत नहीं पाते। इस मृत्युलोक की हम जीवात्माएँ ही हराती और जीत पहनती हैं। खेल सारा इस भारत का ही है। अमरलोक भी यहाँ होता और मृत्युलोक भी यहाँ होता है। तो हम हैं इनकॉगनिटो वारिअर्स। माया पर जीत पाने .... जबसे बाबा आए हैं **We Are At War With Maya** बाबा ने राज़ समझाया है कि मन तो दौड़ता रहता है। बुद्धि समझ सकती है रांग और राइट क्या है। बुद्धि का काम है परखना। माया

22/8/61 2

अब राइटियस काम कराती है। परमपिता **P॰** अब कहते हैं कि इस माया पर जीत पहनो। मामेकम् याद करो। अनराइटियस तरफ न जाओ। सारी दुनिया अनराइटियस है। यह गुरु आदि सब दुब्बण में फँसाते हैं। अनराइटियस सिखलाते हैं कि ईश्वर सर्वव्यापी है। अनराइटियस माना झूठ। राइटियस माना सच। यह जो कौरवों–पांडवों आदि की युद्ध बैठ दिखाई है वो तो बिल्कुल झूठ बताते हैं। अब सच्ची बात बाबा बतलाते हैं कि तुम्हारी माया से युद्ध होती है। माया पर जीत पानी है। अब तुम्हारे सुख के दिन आ रहे हैं। 2500 वर्ष सुख ही सुख देखेंगे। सुख की दुनिया के झाड़ अपन को दिखाई पड़ रहे हैं। वो लोग तो लाखों वर्ष क... देते हैं। हम 2500 वर्ष में ही कितने तमोगुणी बन जाते हैं। अगर लाखों वर्ष होते तो पता नहीं क्या हाल हो जाय। तो अब बाबा कहते हैं गफलत न करना। गफलत करेंगे तो तकदीर को लकीर लग जावेगी। समझते हुए फिर भी तकदीर को लकीर लगा देते हैं। विकार में गिर पड़ते हैं। हम कहेंगे लानत है तेरे पुरुषार्थ पर। युद्ध के मैदान में खड़े हो तो पास होना चाहिए ना। कितनी हार खाते हो। ऐसी हार खाने वाले फिर वहाँ आए चंडाल बन पड़ते। कितना फर्क पड़ जाता है। बाबा कहते हैं ऐसा कलंक न लगाना। ऐसा काम न करो जिस(से) तकदीर पर लकीर लग जाए। बाबा का फरमान है सारी दुनिया को पवित्र बनाना है। बाबा बहुत रहमदिल भी है; परन्तु धर्मराज रूप में रहमदिल नहीं बनेगा। कहते हैं जो हमारे बच्चे बन फिर भूल करते हैं तो उनको सौणा दंड देता हूँ; क्योंकि उन्हों की डायरेक्ट सेवा करता हूँ। बाबा 5 तत्वों सहित सबकी सेवा करते हैं। तो ऐसी तकदीर को लकीर न लगानी है। सब कहेंगे जो हमको समझाते थे वो खुद गिर मरा, तो लानत डालेंगे। ऐसे को लानत .... चिट्ठी .... लिख सकते हैं। लानत है तेरी बहादुरी पर। लिख सकते हैं। हम कोई गवर्नमेन्ट का लॉ ब्रेक नहीं करते है। पाण्डव गवर्नमेन्ट ऐसे पत्र निकाल सकती है। हमारा डिक्टेटर तो बाबा है ना। डिक्टेट कराते हैं। हमारी बुद्धि को ब्रह्मा द्वारा गुल बना रहा हैं। उन्हों की बुद्धि छी2 बन रही है। नाम ही है डेविल्स। सारी दुनिया के विनाश लिए कितना कर रहे हैं। हम गीता के लॉ ..... लिख भी सकते हैं। तुम जैसे डेविल्स कोई हो नहीं सकते। हम है नॉन वाइलेंट। न हाथ–पांव चलाते, न काम कटारी चलाते हैं। परफेक्ट नॉन वाइलेंट इनकॉगनिटो हैं। हाँ, माया तो सामना करेगी। उनपर विजय ..... है। ज्ञान की धारणा कर फिर दान करना है। बुद्धियोग लगाना है। यह मदद करनी है। बच्चे सरेण्डर करते हैं तो बाप को हर प्रकार की मदद करते हैं। सर्विस में लगा रहना है। नष्टोमोहा हो जावेंगे वो फिर पूछेंगे नहीं। ..... बुद्धि निकल जावेगी। समझ सकते हैं हम सरेण्डर हुए, ट्रस्टी बन गए, फिर कोई विकर्म नहीं कर सकते। ..... हैं जो अपन को सरेण्डर समझते हैं; परन्तु बाबा अंदरूनी ..... नहीं समझते हैं। समझो, दो भाई की ..... नहीं है फिर एक सरेण्डर हो सकते हैं क्या? नहीं, भल बाबा कहते हैं तुम हमारे हो फिर भी ..... सरेण्डर हो फिर चंडाल .... मिसाल है ..... यह सब मिसाल प्रवृत्तिमार्ग के हैं। तो अब बाबा कहते हैं बच्चे तुम्हारे सुख के दिन आ रहे हैं। तुम देख रहे हो वैकुंठ के झाड़ सामने खड़े हैं। बस, इस जन्म के बाद हमारा दूसरा जन्म है ही सुख ..... में। तो वहाँ के लिए पुरुषार्थ करना चाहिए। वैकुंठ के झाड़ भी दिखलाते हैं। तुम वैकुण्ठ जाए ..... सकते हो। कोई बोले, हम निश्चय कैसे करें? अरे, इतने सब आते जाते हैं इन्हों से पूछो। इसलिए बाबा कब सा॰

कराते हैं, देखा जाते हैं ना। नौधा भक्ति में तो सा॰ के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। यहाँ तो न चाहने वालों को हो जाता, चाहने वालों को होता नहीं। बहुतों को सा॰ होते हैं। ..... को अपने भक्तों पास भी ले जाते हैं दिखाने कि भक्त कितने ..... हैं। मेरे लिए भक्त तो ..... देते हैं। मुश्किल से कोई को सा॰ कराता हूँ। .... कर बैठ जाते हैं। बहुत सच्चे भक्त हैं। वहाँ तो बहुत सच्चे नहीं हैं। वो बाबा तो सबको जानते हैं। प्लैन में देखते हैं इनकी आत्मा कहाँ तक प्योर बनी है। इस

22/8/61 3

लिए वॉर्निंग भी देते हैं कि सच्चा बनो। बाबा बिजनेस मेन भी पूरा है। बाबा ने रथ कैसा अच्छा अनुभवी लिया है। यह ज्ञान रत्नों की सौदागरी है। बाबा से ज्ञान रत्न ले फिर दान करते हैं। ज्ञान रत्न ट्रान्सफर हो, हीरे–मोती–सोने के महल बन जाते हैं। शास्त्रों के ज्ञान को रत्न नहीं कहा जाता। ज्ञान सागर एक ही बाबा है। किसके पास भल करोड़, पदम हो; परन्तु हमारे लिए तो जैसे यह कचड़ा है। अभी सारी दुनिया वेस्ट पेपर बॉक्स बन जावेगी। हम जानते हैं दुनिया में सब वेस्ट पेपर बॉक्स है। कचड़े को जलाया जाता है ना। बाबा भी भंभोर को आग लगवाए खलास कर देते हैं। यह काँटों का जंगल, पतित दुनिया है ना। हम दैवी झाड़ के पत्ते कितने थोड़े हैं। यह गुलबकावली का बगीचा है। दैवी फूलों ..... स्थापन हो ....ही है। काँटे खलास हो जावेंगे। हम फूल नई दुनिया में आकर राज्य करेंगे। कितनी भारी तकदीर है। इस सर्विस में रात–दिन तत्पर रहना है। ज्ञान के गीत सुनाने हैं। गीता को भी ज्ञान के गीत कहते हैं। अब तुम ब्राह्मणों का धंधा ही है सत्य ना॰ की कथा सुनाना। ब्राह्मणों को ब्राह्मणों का ही संग चाहिए। शूद्र के संग से चलायमानी होती है। पुरुषार्थ करते आखिरीन छूट जावेंगे। पुरुषार्थ कर कोटों में कोऊ, कोऊ में भी कोऊ फर्स्ट टिकट लेंगे। सब तो फर्स्ट नहीं लेंगे ना। पुरुषार्थ करना चाहिए फर्स्ट क्लास लिए। ..... गरीब ही फर्स्ट क्लास की टिकट लेते हैं। माताएँ सबसे गरीब हैं ना और फिर सबसे बड़ा मर्तबा पाती हैं। कितना साहुकार बनती हैं। पहले ल॰, पीछे ना॰। बाबा ने ड्रामा में कितने अच्छे राज़ रखे हैं। बाबा कहते हैं कभी भी माया का तूफान आए तो धैर्य गंवाना न चाहिए। बाबा कह देते हैं माया के तो बहुत विकल्प आवेंगे। अधैर्य न होना। बाबा को लिखो कि ऐसी घटनाएँ आती है। युक्ति बताओ। फिर भी थोड़ा रास्ता नीचे–ऊपर का है। पहाड़ों पर नीचे–ऊपर होता है ना। भक्तिमार्ग में यह बात नहीं होती। कोई बहुत ज़ोर से गिर पड़ते हैं तो फिर लिखते हैं बाबा हमारे तो हड–गुड टूट पड़े हैं। यात्रा पर जाते बहुत एक्सीडेक्ट हो पड़ते हैं। हमको तो अब जिस्मानी यात्रा पर (धक्के) खाने नहीं पड़ते। बहुत सहज है। देखो, बाबा ने कीअर टेकर के लिए लिखा था। बहुतों की एप्लीकेशन आती रहती हैं; परन्तु इसमें बहुत हिम्मत चाहिए। पहले जो सन्यास लेते हैं उनको काठी कराते हैं। देह अभिमान ..... है। बड़ा आदमी भी हो उनको भी कहते हैं ..... यहाँ भी ऐसे हैं। देह अभिमान ज़रा भी न आना चाहिए। हमारे पास ऐसा देह अभिमान रहत .....। हार्ड वर्कर राजबहादुर बच्चा है। बिल्कुल देह अभिमान नहीं, अहंकार नहीं। अगर यह .... सर्विस को लग गया तो इनको ..... में सर्विस करने भेज दूँगा। तो इसका नाम बहुत ..... हो जावेंगे। मेल–फिमेल दो को जाना चाहिए। चित्र भी साथ में हो। अपना तो प्रवृत्तिमार्ग है ना। दोनों को माया पर जीत पानी है। सारी दुनिया माया की बॉन्डेज में है। सबको खलास होना ...। बाकी 10/12 वर्ष हैं। फिर हम राज्य ले लेंगे। जब तक मम्मा–बाबा का शरीर है तब तक हम युद्ध के मैदान पर हैं। फिर हम जगत जीत बन जावेंगे। हम लड़ते हैं विकारों से। हम गृहस्थ व्यवहार में ..... जनक मिसल जीवनमुक्ति पाते हैं। वास्तव में हम कोई घर छोड़ते नहीं हैं। आगे सन्यासी सब जंगल में रहते थे। हमको जंगलों में धक्का खाने नहीं हैं। हमारा बहुत सहज है। माया पर जीत पाते हैं। बहुत सहज ..... बाबा ने बताया है। सिर्फ बुद्धि से काम लेना है। हमारी है सूक्ष्म रूहानी लड़ाई। जो इस लड़ाई के मैदान में आते हैं उनको खुशनसीब कहा जाता है। बाकी को .....। कोटों में कोऊ ही खुशनसीब बनने वाला है नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। ॐ